

# हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

गडकरी का दावा

सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में बताया कि वर्ष 2020-21 में प्रतिदिन 37 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया



शुक्रवार, 23 जुलाई 2021, नई दिल्ली, पांच प्रदेश, 21 संस्करण

www.livehindustan.com

15 हिन्दुस्तान

नई दिल्ली • शुक्रवार • 23 जुलाई 2021

आज का दिन

1903 में मोटर कंपनी फोर्ड ने अपनी पहली कार बेची।

बिजनेस

निर्माण लगात बढ़ने से डेवलपर्स के लिए अफोर्डेबल प्रोजेक्ट फायदे का सौदा नहीं रहा

## कोरोना ने सस्ते घरों के विकल्प को कम किया

असर

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान ब्यूरो

कोरोना महामारी ने घर खरीदारों के सामने सस्ते घर (40 लाख रुपये से कम कीमत) के विकल्प को कम कर दिया है। एनारॉक प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है।

संपत्ति बाजार में कुल नए घरों की आपूर्ति में सस्ते घरों की आपूर्ति गिरी है। रिपोर्ट के अनुसार, 2020 के शुरुआती महीने तक कुल नए लॉन्च में सस्ते घरों की हिस्सेदारी 40 फीसदी थी जो चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2021) के दौरान घटकर 20 फीसदी रह गई है। यानी 2020 में अगर 100 नए घर बन रहे थे तो उसमें 40 घर अफोर्डेबल कैटेगरी के थे। वहीं, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही तक यह घटकर 20 रह गए हैं। क्रेडिट प्रिचमी यूपी के सचिव सुबोध गोयल ने हिन्दुस्तान को बताया कि सीमेंट और

बड़े घरों की ओर बढ़ा खरीदारों का रुझान



स्टील बनाने वाली कंपनियों ने कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी की है। कोरोना के बाद से रियल एस्टेट में इस्तेमाल होने वाला अधिकांश कच्चा माल में अचानक से उछाल आया है।

इसका बुरा असर रियल एस्टेट सेक्टर पर पड़ा है। इससे रियल एस्टेट डेवलपर्स के लिए अफोर्डेबल प्रोजेक्ट बनाना मुश्किल हो गया है। इसके चलते

रियल एस्टेट कंपनी अंतरिक्ष इंडिया के सीएमडी राकेश यादव ने हिन्दुस्तान को बताया कि कोरोना के दौर में घरों की मांग तेजी से बढ़ी है लेकिन खरीदारों का रुझान अब बड़े साइज के घर की ओर है। यह बदलाव वर्क प्रॉम होम कल्चर से हुआ है। कोरोना के बाद घर ही ऑफिस बन गया है तो लोग अपनी जरूरत को समझते हुए बड़ा घर खरीदना चाह रहे हैं। इस बदलाव ने सस्ते घरों की आपूर्ति को कम किया है और बड़े घर पर जोर को बढ़ाया है।

डेवलपर्स अफोर्डेबल प्रोजेक्ट लॉन्च करने से बच रहे हैं जिससे सस्ते घरों की आपूर्ति घटी है। वहीं, सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन, प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि बड़े प्लोर की मांग पूरा करने के लिए रियल एस्टेट डेवलपर राज्यों की नई हाउसिंग पॉलिसी पर फोकस कर रहे हैं जो कि 170 स्क्वायर यार्ड तक यूनिट साइज को प्रोत्साहित करता है।

40 लाख से कम कीमत के सस्ते घरों की हिस्सेदारी नए लॉन्च में घटकर आधी हुई

80 लाख से 1.5 करोड़ रुपये कीमत के फ्लैट की मांग सबसे अधिक महानगरों में

आर्थिक संकट का भी दबाव

हाउसिंग.कॉम के सीईओ, मणि रंगराजन ने बताया कि मौजूदा संकट ने अफोर्डेबल हाउसिंग सेगमेंट के एक खास तबके को काफी प्रभावित किया है। पिछले एक साल में मध्यम वर्ग का एक वर्ग निचले आर्थिक तबके में फिसल गया है। इससे सस्ते घरों की मांग प्रभावित हुई है।

फायदे का सौदा नहीं रहा

क्रेडिट नेशनल के उपाध्यक्ष और गौड़ ग्रुप के एमडी मनोज गौड़ ने कहा कि निर्माण लागत में तेज बढ़ोतरी और लॉकडाउन से प्रोजेक्ट पूरा करने में हुई देरी से अफोर्डेबल हाउसिंग सेगमेंट अब पहले जैसा फायदेमंद नहीं रहा है। एक साल में निर्माण लागत 20% से ज्यादा बढ़ गई है।

महंगे घरों की रिकॉर्ड बिक्री

कोरोना महामारी के बीच महंगे घरों की रिकॉर्ड बिक्री हुई है। स्वरेर यार्ड की रिपोर्ट के अनुसार, पहली छमाही में सिर्फ मुंबई में 4000 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की लगजरी घरों की बिक्री हुई है। 15 से 20 करोड़ कीमत के घर सबसे ज्यादा बिके हैं।

फायदे का सौदा नहीं रहा

क्रेडिट नेशनल के उपाध्यक्ष और गौड़ ग्रुप के एमडी मनोज गौड़ ने कहा कि निर्माण लागत में तेज बढ़ोतरी और लॉकडाउन से प्रोजेक्ट पूरा करने में हुई देरी से अफोर्डेबल हाउसिंग सेगमेंट अब पहले जैसा फायदेमंद नहीं रहा है। एक साल में निर्माण लागत 20% से ज्यादा बढ़ गई है।